# उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

# तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १५३ वा गुरुवार २ जनवरी २०२४ RNI TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४


# सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड को लेकर ग्रामीणों ने जलसमाधि आंदोलन किया!

**बीड :** बीड जिले के मस्साजोग गांव में सरपंच संतोष देशमुख के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने दो घंटे से अधिक समय तक जलसमाधि आंदोलन किया। ग्रामीणों की मांग है कि संतोष देशमुख के हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। इस आंदोलन के दौरान तीन महिलाओं को चक्कर आ गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने आंदोलनकारियों से पानी से बाहर आने की अपील की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। पुलिस लगातार अनाउंसमेंट कर आंदोलनकारियों को बाहर आने के लिए कहती रही, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण अपनी मांग पर डटे रहे।

बीड के जिला पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने खुद आंदोलन स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा की। इस दौरान मौजूद महिलाएं और अन्य ग्रामीण भी आक्रामक हो गए। उन्होंने कहा, "अब तक कई बार समय दिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी और अन्य दो आरोपी अब भी फरार हैं। इतने दिन बीत जाने के बाद भी आप आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पा रहे हैं, तो हमें जलसमाधि लेने दीजिए। अगर इतने समय में आरोपी नहीं मिलते, तो वाल्मिक कराड को ही हमारे गांव का अभिभावक बना दीजिए।"

इस पर पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि पुलिस पूरी ताकत से आरोपियों की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा, "हमें दस दिन का समय दें, हम इस अवधि के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लेंगे।" यह आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीण शांत हुए।

## संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन

### डीआईजी तेली की अगुवाई में दस सदस्यों की टीम

**जमीर काजी**

**मुंबई :** राज्य में चर्चा का विषय बने बीड जिले के सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड की जांच के लिए अंततः विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के उपमहानिरीक्षक बसवराज तेली की अध्यक्षता में दस सदस्यों की टीम बनाई गई है। इस टीम के जिम्मे देशमुख के अपहरण और हत्या की जांच सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर के शीतकालीन अधिवेशन में इस मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की घोषणा की थी। अब इस पर अमल शुरू हो गया है। नए साल के पहले दिन राज्य सरकार ने इस संबंध में सरकारी आदेश जारी कर दिया है।

संतोष देशमुख हत्याकांड, जो राज्यभर में सुर्खियों में है, की जांच सीआईडी कर रही है। हत्या के 22 दिन बाद इस मामले के मुख्य सूत्रधार वाल्मीक कराड ने मंगलवार को सीआईडी के सामने आत्मसमर्पण किया। हालांकि, उस पर केवल वसूली का मामला दर्ज है और उसे 15 दिन की सीआईडी हिरासत में रखा गया है। अभी तक कराड को देशमुख हत्याकांड में आरोपी नहीं बनाया गया है।

इस बीच, कराड के राजनीतिक संरक्षक और मंत्री धनंजय मुंडे ने सोमवार को मुख्यमंत्री से लंबी मुलाकात की। अगले दिन कराड ने वीडियो जारी कर सीआईडी के सामने आत्मसमर्पण किया। इस संयोग को लेकर विपक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामवासियों के बीच सवाल खड़े हो रहे हैं। तेज जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग को लेकर मसाजोग गांव में जलसमाधि आंदोलन किया गया। इस घटना में अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए सीआईडी अपनी पूरी कोशिश कर रही है। अब राज्य सरकार ने डीआईजी बसवराज तेली की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया है।

**टीम में शामिल सदस्य:**

सीआईडी के आर्थिक अपराध जांच शाखा के उपमहानिरीक्षक डॉ. बसवराज तेली, उपाधीक्षक अनिल गुजर, एपीआई विजयसिंह जोंनवाल, पीएसआई महेश विघ्ने, आनंद शिंदे, एएसआई तुकाराम जगताप, मनोज वाघ, चंद्रकांत कालकुटे, बाळासाहेब अहंकारे और संतोष गित्ते।

**मुख्य सूत्रधार पर हत्या का आरोप कब लगेगा?**

मुख्य आरोपी वाल्मीक कराड पर वसूली का मामला दर्ज है। देशमुख हत्याकांड के तहत उस पर आरोप कब लगाए जाएंगे और सभी आरोपियों पर मकोका कानून कब लगाया जाएगा? इस तरह के सवाल देशमुख के परिवार, विपक्ष और ग्रामवासियों की ओर से उठाए जा रहे हैं।

## महाराष्ट्र की पहली एआई नीति तैयार करें

### प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार के निर्देश

**मुंबई :** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महाराष्ट्र को अग्रणी बनाने के लिए राज्य की पहली एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) नीति तैयार करने के निर्देश सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने विभाग को दिए हैं।

उन्होंने कहा कि एआई तकनीक का उपयोग करके अधिक उद्योग और व्यवसाय स्थापित होंगे, युवाओं को रोजगार मिलेगा और महाराष्ट्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकेगा।

सह्याद्री अतिथिगृह में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री एड. शेलार ने यह निर्देश दिए। इस बैठक में आईटी विभाग के सचिव पराग जैन नैनुटिया, महा-आईटी की प्रबंध निदेशक जयश्री भोज और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विभाग की समीक्षा करते हुए और अधिकारियों को भविष्य की योजनाओं के लिए मार्गदर्शन देते हुए मंत्री एड. शेलार ने कहा कि एआई तकनीक का युग शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र को इस क्षेत्र में अग्रणी रहना चाहिए। एआई का प्रभावी उपयोग कर हम अधिक उद्योग और व्यवसाय आकर्षित कर सकते हैं और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। यह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महाराष्ट्र की स्थिति को मजबूत करने का मौका है।

मार्च 2024 में शुरू किए गए 'इंडिया एआई मिशन' के तहत देशभर में एआई क्षमता बढ़ाने के लिए ₹10,372 करोड़ की धनराशि मंजूर की गई है। इसमें इंडिया एआई डेटासेट्स प्लेटफॉर्म, एप्लिकेशन डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट्स, इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, फ्यूचर स्किल्स प्रोग्राम और एआई क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए वित्तपोषण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

केंद्र सरकार जनवरी 2025 से गैर-व्यक्तिगत डेटा सेट्स का संग्रहण शुरू करने जा रही है। इससे स्टार्टअप्स, कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान और शोधकर्ता विभिन्न ऐप्स विकसित कर सकेंगे, कई भाषाओं में सेवाएं प्रदान कर सकेंगे और विशेष सेवाएं विकसित करने में सक्षम होंगे।

मंत्री एड. शेलार ने कहा कि जब हमारा देश तकनीकी प्रगति में आगे बढ़ रहा है, तो महाराष्ट्र को इसमें सबसे अग्रणी रहना चाहिए।

## मंत्रालय में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एफआरएस प्रणाली लागू!

### हर प्रवेश द्वारपर होगी स्कैनिंग

**मुंबई :** मंत्रालय में बढ़ती भीड़ और उससे उत्पन्न होने वाली कानून और व्यवस्था की समस्याओं को कम करने के लिए एफआरएस (फेस रिकग्निशन सिस्टम) नामक अत्याधुनिक तकनीक लागू की जा रही है। यह प्रणाली मंत्रालय के सभी प्रवेश द्वारों पर स्थापित की गई है। इसके बाद, मंत्रालय की इमारत में प्रवेश करते समय पास की स्कैनिंग के बाद ही अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी।

आगंतुकों को केवल उस विभाग में जाना होगा जहां उनका काम है। अन्य किसी भी स्थान पर जाने पर पुलिस की कड़ी नजर होगी।

**एफआरएस प्रणाली के मुख्य बिंदु:**

**1. ऑनलाइन पास की सुविधा:**
अगर किसी को मंत्रालय में प्रवेश करना है, तो वह अपना पास ऑनलाइन निकाल सकता है या मंत्रालय के गेट पर भी पास निकाला जा सकेगा।

**2. स्कैनिंग के बाद ही मुख्य इमारत में प्रवेश:**
गेट से प्रवेश करने के बाद इमारत में प्रवेश करने से पहले पास की फिर से स्कैनिंग करनी होगी।

**3. निर्धारित विभाग तक ही सीमित पहुंच:**
आगंतुक को केवल उसी विभाग में जाने की अनुमति होगी जहां उसका काम है। अगर वह अन्य स्थानों पर जाता है, तो पुलिस की नजर होगी।

**4. कानून-व्यवस्था भंग करने पर ब्लैकलिस्ट:**
अगर कोई आत्महत्या का प्रयास करता है या कानून-व्यवस्था का मुद्दा पैदा करता है, तो उसे दोबारा मंत्रालय में प्रवेश नहीं मिलेगा और उसका नाम ब्लैकलिस्ट में डाल दिया जाएगा।

**5. लंबे इंतजार से राहत:**
इस तकनीक के कारण पास के लिए घंटों तक मंत्रालय के बाहर कतार में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

**6. सभी अधिकारियों और मंत्रियों के लिए फेस आईडी अनिवार्य:**
सचिव, अधिकारी और मंत्री सभी को फेस आईडी तैयार करनी होगी, जिसके बाद ही उन्हें प्रवेश मिलेगा।

**7. भीड़ पर नियंत्रण:**
मंत्रियों और विधायकों के साथ आने वाले कार्यकर्ताओं की भीड़ पर इस प्रणाली से नियंत्रण लगाया जा सकेगा।

**8. कंट्रोल रूम से कनेक्शन:**
हर गेट पर स्थापित एफआरएस प्रणाली मंत्रालय कंट्रोल रूम से जुड़ी होगी। इससे यह पता चलेगा कि आगंतुक मंत्रालय में कहां जा रहा है।

**9. गंभीर भीड़ नियंत्रण:**
मंत्रालय में लगभग 8,000 अधिकारी और कर्मचारी काम करते हैं। कैबिनेट बैठक के दिन आगंतुकों की संख्या 5,000 से 6,000 तक हो जाती है, जिससे कुल भीड़ 12,000 से 15,000 तक पहुंच जाती है। इस प्रणाली के माध्यम से मंत्रालय में प्रवेश व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाया जाएगा, और अनावश्यक भीड़ पर काबू पाया जाएगा।

## केवाईसी के पैसे मांगने वालों पर कार्रवाई करें और तारीख बढ़ाएं – खुर्शीद आलम

### मा. सांसद सोनवणे और मा. जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

**बीड :** मा. सांसद बजरंग सोनवणे साहब और मा. जिलाधिकारी साहब को एक शिष्टमंडल ने केवाईसी की तारीख बढ़ाने और केवाईसी के लिए पैसे मांगने वाले राशन दुकानदारों पर कार्रवाई करने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार और प्रशासन ने प्रत्येक राशन कार्ड के केवाईसी की अंतिम तारीख 31 दिसंबर तय की थी, जो अब समाप्त हो चुकी है। इसलिए तारीख को आगे बढ़ाया जाए। साथ ही, सरकार और प्रशासन द्वारा हर राशन कार्ड धारक को केवाईसी की सुविधा मुफ्त में प्रदान की जा रही है, फिर भी कई राशन दुकानदार केवाईसी के लिए हर राशन कार्ड धारक से 100 रुपये वसूल रहे हैं। यदि गरीब लोग पैसे नहीं देते, तो उन्हें दुकान से भगा दिया जाता है।

इस कारण से अब तक केवाईसी का काम पूरा नहीं हुआ है। मा. सांसद और जिलाधिकारी महोदय से निवेदन है कि दोषी राशन दुकानदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

यह ज्ञापन राष्ट्रवादी पार्टी के शहराध्यक्ष और पूर्व सभापति खुर्शीद आलम के नेतृत्व में सौंपा गया। इस मौके पर एडवोकेट सैय्यद फारूक, शेख माजिद, गुड्डो भाई, पठान लतीफ खान, इमरान शिकलगार, शेख फैयाज, शेख वसीम, अब्दुल करीम और अन्य लोग उपस्थित थे।

## मालेगांव के मआहद-ए-मिल्लत की ओर से बीड़ शहर में दिनीयात परीक्षा का शानदार आयोजन

**काज़ी मुजीब**

**बीड़ :** मआहद-ए-मिल्लत मालेगांव की ओर से बीते दिन बीड़ के मिलिया गर्ल्स हाई स्कूल में दिनीयात परीक्षा का शानदार आयोजन किया गया। इन परीक्षाओं में शहर के विभिन्न स्कूलों के 1895 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों में दीनी शिक्षा को आम करना और धार्मिकता को बढ़ावा देना उद्देश्य था।

गौरतलब है कि ये परीक्षाएं मौलाना मुख्तार मली की देखरेख में आयोजित की गईं, जबकि परीक्षक के तौर पर मुफ्ती मोहम्मद मुहीउद्दीन औरंगाबाद ने भाग लिया। वहीं, बीड़ शहर के अन्य प्रमुख उलेमा और विद्वानों में मुफ्ती मोहम्मद वसीम, मौलाना मोहम्मद मुहीउद्दीन, मौलाना अब्दुल रहीम, मौलाना अब्दुल अज़ीज, हाफिज हारून, हाफिज नईम, मौलाना समीर मली, मौलाना शफीक मली, मौलाना नाजिम मली, शहर काज़ी मौलाना ज़फर मुहीउद्दीन के अलावा

रियाज़ सिद्दीकी और शाहिद इनामदार ने छात्रों की रहनुमाई की। इस परीक्षा के लिए मिलिया गर्ल्स हाई स्कूल की इमारत को सेंटर के तौर पर उपलब्ध कराने पर मदरसे के प्रधानाचार्य इरफान सिद्दीकी और सचिव खान सबीहा बाजी का मौलाना मुख्तार मली ने आभार व्यक्त किया।

# तय्यब साहब : नेतृत्व, कर्तव्य और प्रेरणा का प्रतीक

समाज में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनके कार्य और विचार एक नई मिसाल कायम करते हैं। बीड जिले के प्रसिद्ध दैनिक "रिपोर्टर" के संपादक और मौलाना आजाद अल्पसंख्यक महामंडल के निदेशक शेख तय्यब साहब ऐसा ही एक विलक्षण व्यक्तित्व हैं। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके जीवन और योगदान को समझना हमारे लिए कृतज्ञता का एक भाव है। तय्यब साहब कर्तव्य की एक मिसाल हैं, लेकिन इसमें अहंकार का कहीं नामो-निशान नहीं। सत्य की खोज, निर्भीक पत्रकारिता, और समाज के लिए किए गए ईमानदार प्रयासों ने उन्हें पत्रकारिता और समाज में एक स्थायी स्थान दिलाया है। सत्य के लिए संघर्ष करते हुए उनकी पत्रकारिता हमेशा "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं" इस सिद्धांत पर आधारित रही है। उन्होंने पत्रकारिता में एक नया अध्याय लिखा है। आम लोगों की समस्याओं को मुखरता से उठाकर उन्हें न्याय दिलाने का काम उन्होंने लगातार किया। बीड जिले के पत्रकारिता क्षेत्र में उनका नाम आदर के साथ लिया जाता है। उनके संपादकीय लेखों के माध्यम से सामाजिक समस्याएं और चर्चाएं प्रकाश में आती हैं और शासन का ध्यान उपेक्षित मुद्दों की ओर जाता है।

पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी तय्यब साहब अग्रणी हैं। खेल प्रेमियों के लिए राज्यस्तरीय "रिपोर्टर प्रीमियम लीग" क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन हो या रक्तदान शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, उन्होंने हमेशा समाजसेवा को प्राथमिकता दी है। तय्यब साहब केवल एक संपादक या समाजसेवक नहीं हैं, बल्कि कई लोगों के जीवन का आधार हैं। उनके मार्गदर्शन में कई युवाओं ने अपने करियर को संवारा है। उनके नेतृत्व में "रिपोर्टर" दैनिक ने एक नई ऊंचाई हासिल की है। तय्यब साहब के इस विशेष दिन पर, हम उनके प्रति कृतज्ञता और प्रेम व्यक्त करते हैं। उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व के कारण हम जैसे कई लोगों को सही दिशा मिली है। उनकी सफलता की कहानी हर किसी के लिए प्रेरणादायक है।

"तय्यब साहब, आपको स्वास्थ्य, खुशियां और सफलता मिले। आपका साथ और मार्गदर्शन हम पर हमेशा बना रहे," ऐसी शुभकामनाओं के साथ इस विशेष दिन पर उन्हें बधाई। तय्यब साहब, आप वास्तव में समाज के दीपस्तंभ हैं!

**लेखक: काज़ी समीरोद्दीन**
**मो.: 9049904996**

# मिल्लिया महाविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

बीड: मिल्लिया कला, विज्ञान और प्रबंधन महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति समिति के संयुक्त तत्वावधान में पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों के साथ-साथ शिक्षक, पुस्तक प्रेमी और स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य पठन के महत्व को बढ़ावा देना और विभिन्न विषयों पर किताबें उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का उद्घाटन उपप्राचार्य डॉ. सैय्यद एच.के. और उपप्राचार्य प्रोफेसर हुसैनी एस.एस. के हाथों हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में पुस्तकों की अहम भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रदर्शनी में 500 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध थीं, जिनमें प्रमुख प्रकाशकों की पुस्तकों के साथ-साथ स्थानीय लेखकों की किताबें भी शामिल थीं। विशेष रूप से, क्षेत्रीय साहित्य का खंड दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने

प्रदर्शनी का प्रबंधन बहुत ही व्यवस्थित ढंग से किया और उपस्थित लोगों को प्रदर्शनी के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रदर्शनी को देखने आए लोगों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने इस तरह के प्रयासों के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य पूरा हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग और राष्ट्रीय शैक्षणिक नीति समिति ने आयोजन के लिए प्रबंधन, प्रायोजकों और सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया और इस कार्यक्रम को अविस्मरणीय बताया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर मिर्ज़ा असद बेग, डॉ. शेख रफीक, प्राध्यापिका डॉ. शेख एजाज परवीन, स्नातकोत्तर विभाग के निदेशक प्रोफेसर फरीद अहमद नेहरी, ग्रंथपाल डॉ. अमीर सलीम, सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलियास फाजील का भी अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ

# जमात-ए-इस्लामी हिंद जलगांव की ओर से "इस्लाम और इंसानियत" पर शानदार कार्यक्रम

## इस्लाम एक पूर्ण जीवन व्यवस्था है, जो दुनिया और आख़िरत दोनों में सफलता और कामयाबी का रास्ता दिखाता है। – वाजिद अली खान

**जलगांव (अब्दुलवहीद जुनैदी):** जमात-ए-इस्लामी हिंद जलगांव की ओर से "इस्लाम और इंसानियत" के विषय पर एक शानदार कार्यक्रम जलगांव शहर के तांबापुर इलाके में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अब्दुल्ला सर की तिलावत-ए-क़ुरआन से हुई। इसके बाद, मिल्लत उर्दू हाई स्कूल के पूर्व शिक्षक रफीक पटवे सर ने अपनी मनमोहक आवाज़ में मराठी भाषा में नात-ए-पाक पेश की।

इस मौके पर प्रोफेसर सुहैल अमीर सर ने कहा, "आज अगर मुसलमान खुद का जायज़ा लें तो यह दिखता है कि ऐसी कौन सी नैतिक बुराई है जो हमारे अंदर नहीं पाई जाती। हमारी नैतिक स्थिति इतनी गिर चुकी है कि दुनिया की सबसे पिछड़ी हुई कौमें भी मुसलमानों को तिरस्कार और नफरत की नज़रों से देखती हैं। इसका एकमात्र कारण क़ुरआन की शिक्षाओं और हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की सुन्नत से

दूरी है।"

मुख्य अतिथि वाजिद अली खान (नासिक) ने अपने संबोधन में समाज में बढ़ती हुई बुराइयों, मोहब्बत-ए-रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के तक़ाज़े, आत्म-जांच और मौत की तैयारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "इस्लाम एक पूर्ण जीवन व्यवस्था है, जो आख़िरत की ज़िंदगी के साथ-साथ दुनियावी ज़िंदगी में भी कामयाबी, सरख़रूई और सफलता का रास्ता दिखाता है।"

# मालेगांव में बिना किसी सरकारी मदद के उर्दू किताब मेले का शानदार उद्घाटन

**मालेगांव (ख़याल असर):** बिना किसी सरकारी मदद, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद या महाराष्ट्र उर्दू अकादमी की आर्थिक सहायता के, मालेगांव के क़िताब फ़रोशों की एसोसिएशन (एक पंजीकृत संगठन) ने 1 जनवरी से 7 जनवरी 2025 तक मालेगांव में उर्दू किताब मेले का आयोजन किया है। इस मेले में किताबों के शौकीनों की भीड़ उमड़ पड़ी है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि छात्र-छात्राएं भी उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए किताबें खरीदने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए ऐसा लगता है कि पूरे मैदान में बुक स्टॉल फैले होने चाहिए थे, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण स्टॉल की संख्या बढ़ाई नहीं जा सकी। इसकी एक वजह यह भी हो सकती है कि क़िताब फ़रोशों की एसोसिएशन ने सिर्फ उन्हीं लोगों को स्टॉल दिए हैं जो संगठन के सदस्य हैं।

फिर भी, यह एक सराहनीय कदम है, क्योंकि उर्दू भाषा और साहित्य को संजीवनी देने और बच्चों व युवाओं में पढ़ने की रुचि जगाने के लिए ऐसे किताब मेलों का आयोजन बेहद ज़रूरी है। मालेगांव क़िताब फ़रोश एसोसिएशन की जितनी तारीफ़ की जाए, कम है।

इस किताब मेले में रोज़ाना नई किताबों के विमोचन के साथ-साथ साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। 1 जनवरी 2025 को, पिछले सालों की परंपरा को जारी रखते हुए, मुफ्ती हसनैन महफूज़ के हाथों उर्दू किताब मेले का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में डॉक्टर रिज़वाना हमदानी, डॉक्टर शकीब और डॉक्टर मुबीन नज़ीर (सिटी कॉलेज) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए किताबों की अहमियत और उर्दू भाषा के संरक्षण पर जोर दिया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुफ्ती हसनैन महफूज़ रहमानी ने भी पढ़ाई की अहमियत और किताबों से दोस्ती के फायदे बताए। उन्होंने कहा, "अगर आप भीड़ में खुद को अलग रखना चाहते हैं, तो किताबें खरीदें और खूब पढ़ाई करें।"

इस कार्यक्रम का संचालन रईस कासमी ने किया। किताब मेले की संयुक्त एसोसिएशन की ओर से इमरान राशिद ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मौलाना मकसूद, शीदा मेरठी, डॉक्टर अशफाक अंजुम, मौलाना अज़ीर रहमानी, डॉक्टर अशफाक उमर, हाफिज आदिल और अन्य विशिष्ट अतिथि उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे।

# अमेरिका में न्यू-ईयर मना रहे लोगों को ट्रक से रौंदा:10 की मौत, 35 घायल; हमलावर ने फायरिंग भी की

**वॉशिंगटन:**अमेरिका के लुइसियाना राज्य के न्यू ऑर्लियंस शहर में एक जनवरी को एक शख्स ने नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हो गए।

घटना भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे की है। इस वक्त न्यू ऑर्लियंस में रात के 3 बजकर 15 मिनट हो रहे थे। शहर की सबसे व्यस्तम बॉर्बन स्ट्रीट पर हजारों लोग जश्न मना रहे थे। अचानक एक गाड़ी भीड़ को रौंदते हुए आगे बढ़ी।

टक्कर के बाद भगदड़ मच गई। कई लोग टक्कर के बाद दूर जा गिरे। इसके बाद उसमें से एक शख्स उतरा। उसने लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें हमलावर की मौत हो गई। मुठभेड़ में दो पुलिस वाले भी घायल हो गए।

हमलावर की पहचान शमसुद्दीन जब्बार (42) के तौर पर हुई है। जांच एजेंसियों ने बताया कि जब्बार टेक्सास स्टेट का रहने वाला था और कई सालों तक अमेरिकी सेना में रहा है।

ABC न्यूज़ ने पुलिस प्रवक्ता का हवाला देते हुए बताया

कि ऐसा लगता है कि हमला जानबूझकर किया गया था। इस घटना के बाद नए साल के जश्न का माहौल मातम में बदल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों को शहर के 5 अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पिकअप ट्रक से इस्लामिक स्टेट का झंडा, हथियार और IED (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद हुए हैं। घटना का पूरा सिनेरियो VIDEO में देखने के लिए क्लिक करें...

**मैप में न्यू ऑर्लियंस शहर की लोकेशन...**

मेयर ने कहा- यह आतंकी घटना, FBI का इनकार हमले को लेकर बॉर्बन स्ट्रीट के मेयर ने इसे 'आतंकवादी घटना' करार दिया। लेकिन कुछ ही देर बाद FBI एजेंट ने कहा कि यह घटना 'आतंकवादी घटना' नहीं है। हालांकि FBI ने कहा कि वह इस घटना की जांच वैसे ही कर रही है जैसे वे किसी आतंकी घटना के दौरान करते हैं।

# DAP खाद का 50Kg का बैग ₹1350 में मिलता रहेगा:केंद्रीय कैबिनेट ने फर्टिलाइजर पर सब्सिडी दी; फसल बीमा का बजट बढ़ाकर ₹69516 करोड़ किया

नई दिल्ली : कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाले कंपनियों को 3850 करोड़ की सब्सिडी देने का ऐलान किया गया है।कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाले कंपनियों को 3850 करोड़ की सब्सिडी देने का ऐलान किया गया है।

केंद्र सरकार ने साल के पहले दिन किसानों के लिए बड़े फैसले किए हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है।

इसी के साथ फर्टिलाइजर पर सब्सिडी जारी रहेगी। DAP खाद का 50 किलोग्राम का बैग पहले की तरह 1350 रुपए का मिलता रहेगा।

कैबिनेट ने DAP खाद बनाने वाले कंपनियों को 3850 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान किया गया है। फसल बीमा योजना का आवंटन बढ़ाकर 69516 करोड़ रुपए कर दिया गया है। फसल बीमा न देने पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी।

इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि जगत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को विस्तार देने के लिए 824.77 करोड़ रुपए के बजट का भी आवंटन किया है।

मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम पर भी काम होगा कैबिनेट ने वेदर इंफॉर्मेशन से जुड़े प्रोजक्ट पर भी मंजूरी दी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम (WINDS) में ब्लॉक स्तर पर ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम (AWS) और पंचायत स्तर पर ऑटोमेटिक रेन गेज (ARG) स्थापित किए जाएंगे। 9 प्रमुख राज्य WINDS को लागू करने की प्रक्रिया में हैं (जिसमें केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी, असम, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड और राजस्थान शामिल हैं), अन्य राज्यों ने भी इसे लागू करने की इच्छा जताई है।

**दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com**

**daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com**